

## Webinar on “Agroforestry and Livelihood Generation”

Uttarakhand Kesari

6-8-2020

### कृषि वानिकी के जरिए पैदा होंगे रोजगार के नए मौके : डा. रावत

देहरादून, 6 अगस्त (स.ह.) : वन अनुसंधान संस्थान में कृषि वानिकी एवं आजीविका पर आयोजित वेबिनार में गरीबी निवारण पर मंथन हुआ। तय किया गया कि आपसी सहयोग व तालमेल के जरिए आजीविका के क्षेत्र में काम किया जाएगा।

एफआरआई में विस्तार प्रभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद के महानिदेशक व वन अनुसंधान संस्थान के डायरेक्टर डा. अरुण सिंह रावत ने कहा कि कृषि वानिकी के जरिए गरीबी को दूर कर सकते हैं। इसके लिए सहयोगात्मक कोशिश की जानी चाहिए। कहा कि वन विज्ञान केंद्रों व कृषि विज्ञान केंद्रों के जरिए जरूरतमंदों की सहायता की जा सकती है। भारतीय वन अनुसंधान संस्थान विस्तार प्रभाग की प्रमुख ऋद्धा मिश्रा ने कहा कि आज भी आजीविका बहुत बड़ा मसला है। इस दिशा में

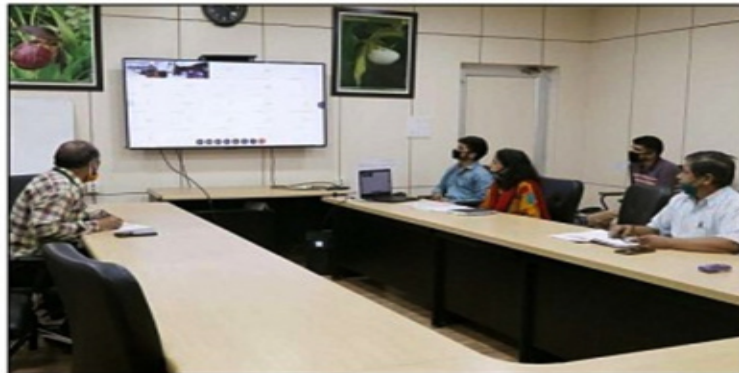
#### ■ भारतीय वन अनुसंधान के विस्तार प्रभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम

गंभीर प्रयास किए जाने चाहिए। ऐसा करके ही लोगों की आजीविका बढ़ाई जा सकती है। नान टिंबर फारेस्ट प्रजातियों को आजीविका का बड़ा माध्यम बनाया जा सकता है। तमाम प्रजातियों के उत्पादन कर अर्थव्यवस्था को गतिशील बनाया जा सकता है। आईसीएफआरई के सहायक महानिदेशक डा. एके पांडे ने कहा कि हमें आजीविका के आयाम पर काफी काम करना होगा। इस मौके पर फारेस्ट प्रोटेक्शन डिविजन के हेड डा. अमित पांडे, डा. चरण सिंह, डा. रामवीर सिंह ने विचार व्यक्त किए।

The Hawk  
6-8-2020

## Webinar On 'Agroforestry And Livelihood Generation'

Dehradun: Agroforestry plays an important role in the livelihood of rural society and has potential to generate employment for rural youth especially through commercial utilization of agroforestry produce in form of raw material and products. Keeping this in view, Extension Division of Forest Research Institute, Dehradun organized a webinar on "Agroforestry and livelihood generation" targeting different stakeholders like State Forest Departments, different Research Institutes under ICFRE, students of Colleges and Universities and Management Institutes, trainees of IGNEA and CASFOS, Non Government Organizations, Self Help Groups, entrepreneurs, etc. Ms. Richa Misra, IFS Head, Extension Division welcomed the participants and gave an overview of the webinar which was formally inaugurated by Sh. Arun Singh Rawat, IFS Director General, Indian Council of Forestry Research & Education and Director, FRI, Dehradun. In his inaugural address, he mentioned that the institute is playing an important role in research on agroforestry. The technology developed by the Institute needs to be disseminated to the different stakeholders through Extension activities. These activities are being carried



out through different Van Vigyan Kendras established in the states under its jurisdiction. He stated that the institute would be extending its extension activities through networking of Van Vigyan Kendras and Krishi Vigyan Kendras. The issues focused in the webinar were : Potential of non timber forest species for livelihood generation, Melia and Poplar based Agroforestry systems for livelihood improvement in Uttarakhand and Punjab, Growing and utilization of Multi Purpose Agroforestry species for livelihood improvement, Value addition of plantation timber for livelihood generation, Insect Pests of Poplar and their manage-

ment, Management of fungal diseases in Agroforestry species, Beneficial fungi- Cultivation and utilization of edible and medicinal mushrooms, Prevalent Agroforestry systems in Haryana, Recent advances in Agroforestry in Punjab. Among the speakers were Dr. A. K. Pandey, ADG (Media & Extension, ICFRE, Dr. Amit Pandey, Head Forest Protection Division, Dr. D. P. Khali, Scientist-G Division of Forest Product, Charan Singh Scientist-E, Dr. Devendra Kumar Scientist-E, Shri Rambir Singh Scientist-D of Extension Division, Dr. Shailesh Pandey Scientist-D Pathology discipline of FRI, Dehradun, Dr. Sanjiv Kumar Chauhan, Profes-

sor, Punjab Agriculture University Ludhiana and Dr. Sandeep Arya, Professor, Choudhary Charan Singh Haryana Agriculture University Hissar who expressed their views on different agroforestry aspects. The team of Extension Division, FRI under the guidance of Ms. Richa Misra, IFS Head Extension Division did a commendable work in making the webinar successful.

The team of Information Technology Division of ICFRE in guidance of Sh. Ashish Kumar Sinha, Head IT Division and Sh. Jitendra Kumar Scientist-D and Sh. Rajneesh from Forest Informatics division of FRI very ably facilitated the entire programme.

Jan Bharat Mail

6-8-2020

## कृषि वानिकी एवं आजीविका उपार्जन

देहरादून, संवाददाता। कृषि वानिकी एवं आजीविका उपार्जन विषय पर एक आनलाईन वेबीनार का आयोजन किया गया।

श्रीमती ऋचा मिश्रा भा.व.से. प्रभाग प्रमुख विस्तार प्रभाग वन अनुसंधान संस्थान द्वारा वेबीनार में सभी पेनेलिस्ट/प्रतिभागियों का स्वागत कर महानिदेशक, भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद को वेबीनार के उद्घाटन हेतु आमंत्रित किया। वेबीनार का शुभारम्भ करने हुए भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद के महानिदेशक श्री अरुण सिंह रावत, भा.व.से. द्वारा वेबीनार के उद्देश्यों एवं लाभों के बारे में विस्तार से वर्णन किया। तत्पश्चात डॉ० अशोक कुमार पाण्डेय सहस्यक महानिदेशक मीडिया एवं विस्तार विस्तार निदेशालय भा०वा०अनु०शि०प० द्वारा कृषि



वानिकी आकृष्ट वन उपज से आजीविका उपार्जन की क्षमताओं के बारे में बताया।

श्री रामवीर सिंह, वैज्ञानिक-डी, विस्तार प्रभाग द्वारा आजीविका सुधार के लिए अपशिष्ट भूमि में कृषि वानिकी मॉडल का विकास, डॉ० देवेन्द्र कुमारकुमारवैज्ञानिक-वैज्ञानिक-ई विस्तार प्रभाग द्वारा आजीविका सुधार के लिए बहुउद्देशीय कृषि वानिकी प्रतिजातियों के उत्पादन एवं उपयोग श्री डी.पी. खाली वैज्ञानिक-जी

ने आजीविका सुधार के लिए वृक्षारोपण लकड़ी का मूल्य संवर्धन, डॉ० अरविंद कुमार वैज्ञानिक-ई ने पॉपलर और उनके कीट प्रबंधन डॉ० शैलेश पाण्डेय वैज्ञानिक-डी द्वारा कृषि वानिकी प्रजातियों के रोगों का प्रबंधन डॉ० अमित पाण्डेय वैज्ञानिक-जी एवं प्रभाग प्रमुख वन संरक्षण प्रभाग द्वारा लाभकारी कवक खाद्य एवं औषधीय मशरूम की खेती और उपयोग डॉ० संदीप आर्य प्रभागाध्यक्ष पंजाब कृषि विश्व विद्यालय लुधियाना द्वारा हरियाणा में प्रचलित कृषि वानिकी पद्धतियों एवं डॉ० संजीव कुमार चौहान पंजाब कृषि विश्व विद्यालय लुधियाना ने पंजाब उत्तम कृषि वानिकी पर अपने अपने विचार प्रकट किए। अंत में श्री रामवीर सिंह, वैज्ञानिक-ई, विस्तार प्रभाग द्वारा धन्यवाद प्रस्ताव पेश किया गया।

# उत्तराखण्ड { देहरादून }

## कृषि वानिकी एवं आजीविका उपार्जन पर ऑनलाइन वेबीनार

वन अनुसंधान संस्थान में हुआ आयोजन, महानिदेशक आईसीएफआरई ने किया उद्घाटन, कई विशेषज्ञों और वैज्ञानिकों ने किया प्रतिभाग

देहरादून, संवाददाता । वन अनुसंधान संस्थान में बुधवार को को कृषि वानिकी एवं आजीविका उपार्जन विषय पर एक अनलाइन वेबीनार का आयोजन किया गया । श्रेष्ठ मिश्रा, भा.व.से. प्रभाग प्रमुख विस्तार प्रभाग, वन अनुसंधान संस्थान द्वारा वेबीनार में सभी पेंनेलिस्ट/प्रतिभागियों का स्वागत कर महानिदेशक, भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद को वेबीनार के उद्घाटन के लिए आमंत्रित किया। वेबीनार का शुभारम्भ करने हुए भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद के महानिदेशक अरुण सिंह रावत, भा.व.से. द्वारा वेबीनार के उद्देश्यों एवं लाभों के बारे में विस्तार से वर्णन किया। डॉ० अशोक कुमार पाण्डेय,



सहायक महानिदेशक मीडिया एवं विस्तार, विस्तार निदेशालय, भावाअनुश्लिष द्वारा कृषि वानिकी आकड़ वन उपज से आजीविका उपार्जन की क्षमताओं के बारे में बतलाया। डा. चरण सिंह, वैज्ञानिक-ई, विस्तार प्रभाग उत्तराखण्ड एवं पंजाब में

आजीविका सुधार के लिए मेलिया एवं पॉपलर आधारित कृषि वानिकी के विषय में विस्तार से वर्णन किया। रामबीर सिंह, वैज्ञानिक-डी, विस्तार प्रभाग द्वारा आजीविका सुधार के लिए अचरिष्ठ भूमि में कृषि वानिकी मॉडल का विकास, डा.

देवेन्द्र कुमार, वैज्ञानिक-ई, विस्तार प्रभाग द्वारा आजीविका सुधार के लिए बहुउद्देशीय कृषि वानिकी प्रतिजातियों के उत्पादन एवं उपयोग, श्री डी.पी. खाली, वैज्ञानिक-जी ने आजीविका सुधार के लिए वृक्षारोपण, लकड़ी का मूल्य संवर्धन, डा. अरविंद

कुमार, वैज्ञानिक-ई ने पॉपलर और उनके कोट प्रबंधन, डा. लैलेत पाण्डेय, वैज्ञानिक-डी द्वारा कृषि वानिकी प्रतिजातियों के रोगों का प्रबंधन, डा. अमित पाण्डेय, वैज्ञानिक-जी एवं प्रभाग प्रमुख, वन संरक्षण प्रभाग द्वारा लाभकारी ककक, खाद्य एवं औषधीय महारुम को खेती और उपयोग, डा. संदीप आर्य, प्रभागपाध्यध, पंजाब कृषि विध्व विद्यालय, लुधियाना द्वारा हरियाणा में प्रचलित कृषि वानिकी पद्धतियों एवं डा.संजीव कुमार चौहान, पंजाब कृषि विध्व विद्यालय लुधियाना ने पंजाब उत्तम कृषि वानिकी पर अपने अपने विचार प्रकट किए। अंत में रामबीर सिंह, वैज्ञानिक-ई, विस्तार प्रभाग द्वारा धन्यवाद प्रस्ताव पेश किया गया। कार्यक्रम का संचालन डा. चरण सिंह, वैज्ञानिक-ई विस्तार प्रभाग द्वारा किया गया और इस अवसर पर डा. आशीष कुमार सिन्हा, वैज्ञानिक-डी, प्रभाग प्रमुख, सूचना प्रौद्योगिकी, भा.वा.अ.शि.प. एवं उनकी समस्त टीम ने इस कार्यक्रम में सहयोग दिया।

## कृषि वानिकी व आजीविका उपार्जन पर ऑनलाइन वेबीनार

● वन अनुसंधान संस्थान में हुआ आयोजन , महानिदेशक आईसीएफआरई ने किया उद्घाटन ● कई विशेषज्ञों और वैज्ञानिकों ने किया प्रतिभाग

शाह टाइम्स संवाददाता देहरादून । वन अनुसंधान संस्थान में बुधवार को को कृषि वानिकी एवं आजीविका उपार्जन विषय पर एक आनलाईन वेबीनार का आयोजन किया गया ।

ऋचा मिश्रा, भा.व.से. प्रभाग प्रमुख विस्तार प्रभाग, वन अनुसंधान संस्थान द्वारा वेबीनार में सभी पेनेलिस्ट/प्रतिभागियों का स्वागत कर महानिदेशक, भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद को वेबीनार के उद्घाटन के लिए



आमंत्रित किया। वेबीनार का शुभारम्भ करने हुए भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद के महा. निदेशक अरुण सिंह रावत, भा.व.से. द्वारा वेबीनार के उद्देश्यों एवं लाभों के बारे में विस्तार से वर्णन किया। डा० अरुण कुमार पाण्डेय, सहायक महानिदेशक मीडिया एवं विस्तार, विस्तार निदेशालय, भावाअनुशिप द्वारा कृषि वानिकी आकषट वन उपज से आजीविका उपार्जन की क्षमताओं के बारे में बताया। डा. चरण सिंह, वैज्ञानिक-ई, विस्तार प्रभाग उत्तराखण्ड एवं पंजाब में आजीविका सुधार के लिए मेलिया

एवं पापलर आधारित कृषि वानिकी के विषय में विस्तार से वर्णन किया। रामबीर सिंह, वैज्ञानिक-डी, विस्तार प्रभाग द्वारा आजीविका सुधार के लिए अपशिष्ट भूमि में कृषि वानिकी मॉडल का विकास, डा. देवेन्द्र कुमार, वैज्ञानिक-ई, विस्तार प्रभाग द्वारा आजीविका सुधार के लिए बहुउद्देशीय कृषि वानिकी प्रतिजा. तियों के उत्पादन एवं उपयोग, श्री डी. पी. खाली, वैज्ञानिक- ने आजीविका सुधार के लिए वृक्षारोपण, लकड़ी का मूल्य संवर्धन, डा. संदीप आर्य, प्रभागाध्यक्ष, पंजाब कृषि विवि ने भी अपनी बात रखी।